The Asian Age Page 11 12 November, 2018

FOOD RETAIL TO DOUBLE IN 5 YEAR: STUDY

AGE CORRESPONDENT
NEW DELHI, NOV. 11

India's food retail market is expected to touch $827 billion by the year 2023, up from $487 billion in 2017, growing at a compound annual growth rate (CAGR) of 9.23 per cent, according to an Assocham-TechSci Research consulting joint study.

This growth, the study said, will be due to recent reforms making the sector more competitive and market oriented. "The growth in the Indian food processing industry in value terms is expected to be more than in volume terms over the coming years, which clearly indicates the increase in prices for Indian commodities across the globe," said Assocham.

The chamber said that this highlights a great opportunity for small-scale farmers, who can associate with the leading exporters to boost their earnings by carrying out either contract farming or increasing the production by using technologically advanced equipment.

"Northern (29.56 per cent), western (25.39 per cent) and southern (27.19 per cent) regions account for the major share in India food retail sector whereas Eastern region (17.86 per cent) has a relatively low market share, owing to the presence of seven sister states, Bihar and Jharkhand, where the concentration of big retail companies is only limited to 4-5 cities," it said.

ASSOCHAM IN THE NEWS

Drug Today Page 11 1 - 30 November, 2018

Assocham seeks swift access to USFDA by Indian medical device firms

BS RAWAT
@drugtodayonline.com

Industry body Assocham has suggested that Indian firms engaged in the manufacture of medical devices should be enabled faster access to the US drug and pharmaceutical regulator, FDA.

An Assocham report has also called upon the Indian government to create a fast track foreign direct investment (FDI) desk in India to facilitate such a dispensation.

"The medical devices sector has been witnessing an increased interest from the MNCs which have stepped up their footprint in India, along with locating their key research centres in Indian cities," the Assocham-Nomura Research Institute joint study said.

The report suggested that financial measures need to be taken to incentivise manufacturing in this emerging sector, and specifically in creating an ecosystem in the early stages of the manufacturing. The other suggested measures include that parity of duty on raw materials and finished goods should be maintained and focus can be given to product segments.

The world medical devices and technology market is expected to grow to $520 billion by 2020. The Indian market is among the top 20 in the world by market size, and fourth in Asia after China, Japan, and South Korea, the study noted. India's medical device industry is worth over Rs 60,000 crore even as India's import bill for this segment amounts to over Rs 23,000 crore while exports amount to about Rs 7,000 crore, it said.

खुदरा खाद्य बाजार में निवेश तेजी से बढ़ेगा : एसोचैम

नई दिल्ली | एजेंसियां

उद्योग संगठन एसोचैम की रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के लिए केंद्र की ओर से उठाए गए कदमों से खुदरा खाद्य बाजार अधिक प्रतिस्पर्धी और बाजारोन्मुखी हो गया है। इससे इस क्षेत्र में निवेश के 9.23 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ने की संभावना है।

एसोचैम और टेकसाई रिसर्च के संयुक्त अध्ययन 'फूड वैल्यू चेन : पार्टनरशिप इन इंडिया' के मुताबिक देश के खुदरा खाद्य बाजार में निवेश वर्ष 2017 के 487 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष 2023 तक 827 अरब डॉलर हो सकता है। अध्ययन के मुताबिक, देश का खाद्य प्रसंस्करण उद्योग आने वाले वर्षों में मात्रा की तुलना में मूल्य के आधार पर अधिक बढ़ेगा। इससे यह स्पष्ट होता है कि दुनियाभर में भारतीय उत्पाद की कीमतों में बढ़ोतरी होगी। इसका लाभ घरेलू उद्योगों को मिलेगा।

इससे निविदा कृषि में वृद्धि होगी : ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते चलन के कारण ऐसे स्टोर की जरूरत बढ़ गई है, जहां रिटेलर सभी वस्तुओं की खरीदारी एक ही जगह से कर सकें। ऐसी स्थिति में निविदा कृषि में तेजी से बढ़ोतरी होने की भी संभावना बढ़ी है।

छोटे किसानों को लाभ

यह छोटे किसानों के लिए सुनहरा अवसर होगा, जो निर्यातकों के साथ मिलकर अपनी आय बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं। किसान करार से खेती करने के साथ उन्नत तकनीक से उत्पादन बढ़ा सकते हैं।

भास्कर खास • 2017 में खाद्य पदार्थों का बाजार 35.30 लाख करोड़ का था, सालाना ग्रोथ 9.2%: एसोचैम

5 साल में 60 लाख करोड़ रु. का होगा रिटेल फूड बाजार

एजेंसी | नई दिल्ली

भारत का रिटेल फूड मार्केट हर साल 9.23% की दर से बढ़ रहा है। 2017 में यह 35.30 लाख करोड़ रुपए का था। यह बाजार 2023 में 60 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। उद्योग संगठन एसोचैम और टेकसाई रिसर्च कंसल्टिंग ने अपने एक संयुक्त अध्ययन में यह अनुमान जताया है।

'फूड वैल्यू चेनः पार्टनरशिप इन इंडिया' नामक इस अध्ययन के मुताबिक फूड प्रोसेसिंग उद्योग आने वाले वर्षों में मात्रा के बजाय मूल्य के लिहाज से ज्यादा तेजी से बढ़ेगा। यह संकेत करता है कि आने वाले समय में कृषि उत्पादों के मूल्यों में बढ़ोतरी होगी। एसोचैम का कहना है कि यह छोटे किसानों के लिए एक सुनहरा अवसर होगा, जो निर्यातकों के साथ मिलकर अपनी आय बढ़ाने की दिशा में काम कर सकते हैं। ऐसे किसान कॉन्ट्रैक्ट फार्मिंग कर सकते हैं या उन्नत टेक्नोलॉजी वाले उपकरण इस्तेमाल कर अपनी पैदावार बढ़ा सकते हैं। इससे किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य भी हासिल हो सकेगा। सरकार ने 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने का लक्ष्य रखा है। इससे फूड प्रोसेसिंग सेक्टर में भी तेजी देखने को मिल रही है।

रिटेल फूड मार्केट में उत्तरी और दक्षिणी राज्यों की हिस्सेदारी ज्यादा है। पूर्वी राज्यों का हिस्सा सबसे कम है। बिहार, झारखंड और उत्तर-पूर्वी राज्यों में बड़ी रिटेल कंपनियों की मौजूदगी चार-पांच शहरों तक ही सीमित है। कंपनियां ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए प्राइस कंट्रोल और बड़े ऑफर देने पर अपना ध्यान केंद्रित कर रही हैं। दाम कम रखने के लिए वे सीधी मैन्युफैक्चरर से खरीद रही हैं।

फूड मार्केट में सबसे ज्यादा उत्तरी राज्यों की हिस्सेदारी

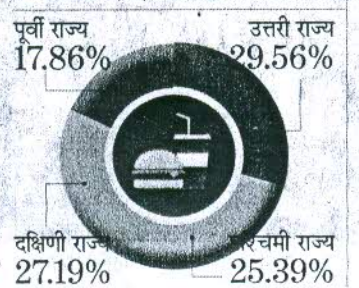

किसानों और निर्माताओं तक दुकानदारों की सीधी पहुंच से कीमतों पर नियंत्रण रहेगा

रिपोर्ट में कहा गया है कि खाद्य पदार्थों की कीमतों को नियंत्रण में रखने के लिए छोटे दुकानदारों को सीधे किसान/निर्माता से प्रोडक्ट खरीदना पड़ेगा। इसके लिए भंडारण, परिवहन सहित लॉजिस्टिक की विश्वस्तरीय सेवाओं की जरूरत है। ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते चलन के कारण ऐसे स्टोर की जरूरत बढ़ी है, जहां छोटे दुकानदार एक ही जगह पर सभी खाद्य पदार्थों की खरीदारी कर पाएं। इन्हें अलग-अलग स्रोतों से खरीदने में अतिरिक्त खर्च न करना पड़े और इनके मूल्य नियंत्रण में रहें। ऐसे में कांट्रेक्ट फार्मिंग से जुड़े व्यक्तियों या कंपनियों की दुकानदारों के साथ पार्टनरशिप बढ़ेगी।

खुदरा खाद्य बाजार में निवेश तेजी से बढ़ेगा: एसोचैम

एजेंसी ☐ नई दिल्ली

वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के केंद्र सरकार के लक्ष्य की पूर्ति के लिये किये गये सुधारों से देश का खुदरा खाद्य बाजार अधिक प्रतिस्पर्धी और बाजारोन्मुखी हो गया है जिससे इस क्षेत्र में निवेश के 9.23 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ने की संभावना है।

■ उद्योग संगठन एसोचैम और टेकसाइ रिसर्च के संयुक्त अध्ययन 'फूड वैल्यू चेनःपार्टनरशिप इन इंडिया' के मुताबिक देश के खुदरा खाद्य बाजार में निवेश वर्ष 2017 के 487 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष 2023 तक 827 अरब डॉलर हो सकता है।

■ अध्ययन के मुताबिक देश का खाद्य प्रसंस्करण उद्योग आने वाले वर्षों में मात्रा की तुलना में मूल्य के आधार पर अधिक बढ़ेगा ,जिससे यह स्पष्ट होता है कि दुनिया भर में भारतीय उत्पाद की कीमतों में बढोतरी होगी। एसोचैम का कहना है कि यह छोटे किसानों के लिये एक सुनहरा अवसर होगा, जो निर्यातकों के साथ मिलकर अपनी आय बढाने की दिशा में काम कर सकते हैं। ऐसे किसान करार करके खेती कर सकते हैं या उन्नत प्रौद्योगिक उपकरणों का इस्तेमाल करके उत्पादन बढ़ा सकते हैं।

■ अध्ययन के अनुसार देश के खुदरा खाद्य क्षेत्र में उत्तरी राज्यों की हिस्सेदारी 29.56 प्रतिशत, पश्चिमी प्रदेशों की(25.39 प्रतिशत और दक्षिणी राज्यों की 27.19 प्रतिशत है जबकि पूर्वी क्षेत्रों की हिस्सेदारी मात्र 17.86 प्रतिशत है। बिहार, झारखंड और उत्तरपूर्वी राज्यों में बड़ी रिटेल कंपनियों की मौजूदगी चार-पांच शहरों तक ही सीमित है जिससे पूर्वी क्षेत्रों की हिस्सेदारी कम है।

■ कंपनियां मुख्य रूप से मूल्य नियंत्रण और बड़े ऑफर देकर उपभोक्ताओं को आकर्षित करने पर ध्यान दे रही हैं। मूल्य नियंत्रण का एकमात्र तरीका उत्पादों को सीधे निर्माता से हासिल करना जरूरी है। निर्माता तक सीधी पहुंच के लिये भंडारण, परिवहन आदि सुविधायें उन्नत होनी चाहिए। ऑनलाइन खरीदारी के बढ़ते चलन के कारण ऐसे स्टोर की जरूरत बढ़ गयी है, जहां रिटेलर सभी वस्तुओं की खरीदारी एक ही जगह कर पाये ताकि उसे अलग अलग स्रोतों से सामान लाने में लगात न लगे। आने वाले समय में कांट्रेक्ट फार्मिंग से जुड़े व्यक्तियों या कंपनियों की रिटेलर के साथ पार्टनरशिप बढ़ेगी।

Navodaya Times Page 11 12 November, 2018

खुदरा खाद्य बाजार में निवेश तेजी से बढ़ेगा: एसोचैम

नई दिल्ली, 11 नवम्बर (एजेंसी): वर्ष 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के केंद्र सरकार के लक्ष्य की पूर्ति के लिए किए गए सुधारों से देश का खुदरा खाद्य बाजार अधिक प्रतिस्पर्धी और बाजारोन्मुखी हो गया है जिससे इस क्षेत्र में निवेश के 9.23 प्रतिशत की वार्षिक दर से बढ़ने की संभावना है।

उद्योग संगठन एसोचैम और टेकसाई रिसर्च के संयुक्त अध्ययन 'फूड वैल्यू चेन: पार्टनरशिप इन इंडिया' के मुताबिक देश के खुदरा खाद्य बाजार में निवेश वर्ष 2017 के 487 अरब डॉलर से बढ़कर वर्ष 2023 तक 827 अरब डॉलर हो सकता है।

अध्ययन के अनुसार देश के खुदरा खाद्य क्षेत्र में उत्तरी राज्यों की हिस्सेदारी 29.56 प्रतिशत, पश्चिमी प्रदेशों की 25.39 प्रतिशत और दक्षिणी राज्यों की 27.19 प्रतिशत है जबकि पूर्वी क्षेत्रों की हिस्सेदारी मात्र 17.86 प्रतिशत है। बिहार, झारखंड और उत्तरपूर्वी राज्यों में बड़ी रिटेल कंपनियों की मौजूदगी 4-5 शहरों तक ही सीमित है जिससे पूर्वी क्षेत्रों की हिस्सेदारी कम है।